

गणतंत्र दविस 2024

प्रलिमिंस के लयि:

[संवधिान](#), [राषट्रीय कैडेड कोर](#), [गणतंत्र दविस](#), पूरण स्वराज की घोषणा

मेन्स के लयि:

गणतंत्र दविस का महत्त्व, भारतीय राषट्रीय आंदोलन

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

चर्चा में क्यों?

भारत ने 26 जनवरी, 2024 को अपना **75वाँ गणतंत्र दविस** (Republic Day) मनाया। इस दनि भारत के [संवधिान](#) को अपनाने और देश के कसि भी राषट्र के उपनविश या प्रभुत्व से मुक्त होकर एक गणतंत्र में परिवर्तित होने का जश्न मनाया जाता है।

गणतंत्र दविस 2024 की मुख्य वशिषताएँ क्या हैं?

■ फ्राँसीसी दल (French Contingent):

- गणतंत्र दविस परेड में फ्राँस के सैन्य दल ने हसिसा लयि। यह दल **कॉर्प्स ऑफ फ्रेंच फॉरेन लीजन** का था।
 - फ्रेंच फॉरेन लीजन एक वशिषिट सैन्य दल है जसिमें **फ्राँसीसी सेना में सेवा की इच्छा रखने वाले वदिशी भी शामिल हो सकते हैं**।
- यह दूसरी बार था जब फ्राँसीसी सशस्त्र बलों ने भारत के गणतंत्र दविस समारोह में भाग लयि।
 - वर्ष 2016 में, फ्राँसीसी सैन्य दल भारत के गणतंत्र दविस परेड में भाग लेने वाला पहला वदिशी सैन्य दल बना।

■ संस्कृतमंत्रालय की झाँकी:

- **'भारत: लोकतंत्र की जननी' (Bharat: Mother of Democracy)** वशिष पर बनी संस्कृतमंत्रालय की झाँकी ने गणतंत्र दविस समारोह परेड 2024 में पहला पुरस्कार हासलि कयि।
 - इसमें एनामॉर्फिक तकनीक का उपयोग करके **प्राचीन भारत से आधुनिक काल तक लोकतंत्र के वकिस** को प्रदर्शति कयि गया।

■ नारी शक्ति:

- **करतव्य पथ** पर 75वें गणतंत्र दविस परेड में महिला-केंद्रित वकिस पर ज़ोर देते हुए **'वकिसति भारत'** और **'भारत-लोकतंत्र की मातृका'** वशिषवस्तु को प्रदर्शति कयि गया।
- गणतंत्र दविस परेड में **नारी शक्ति या महिला सशक्तीकरण** पर वशिष फोकस के साथ भारत की सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक वविधिता का प्रदर्शन कयि गया।
 - परेड में पहली बार तीनों सेनाओं में पूरण रूप से **महिलाओं की भागीदारी वाली टुकडी** की भागीदारी देखी गई।

■ एनसीसी दल:

- **राषट्रीय कैडेड कोर (NCC)** नदिशालय महाराषट्र के दल ने लगातार तीसरी बार गणतंत्र दविस शविरि-2024 कार्यक्रम में **प्रतषिठति प्रधानमंत्री का बैनर** (Prime Minister's Banner) जीतने में सफलता प्राप्त की।
 - **प्रधानमंत्री का बैनर** गणतंत्र दविस शविरि में **सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले NCC राज्य दल** को दयि जाने वाला एक प्रतषिठति पुरस्कार है। उल्लेखनीय है कि गणतंत्र दविस शविरि एक वार्षिक कार्यक्रम है जहाँ पूरे भारत के NCC कैडेड अपने कौशल और प्रतभिा का प्रदर्शन करते हैं।

■ रक्षा अनुसंधान एवं वकिस संगठन (DRDO):

- **DRDO** की झाँकी का वशिष **"रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता" (Self-reliance in Defence Technology)** था।
- DRDO की झाँकी में **मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मसिाइल (MPATGM)**, **एंटी-सैटेलाइट (ASAT) मसिाइल**, **अगर्न-5**, **सतह-से-सतह पर मार करने वाली बैलसिटिक मसिाइल**, **बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (VSHORADS)**, **नौसेना एंटी-शपि मसिाइल** - शॉर्ट रेंज (NASM-SR), **एंटी-टैंक गाइडेड मसिाइल 'हेलनिा'**, **कवकि रएिकशन सरफेस-टू-एयर मसिाइल (QRSAM)**, **असत्र**,

हल्के लड़ाकू विमान 'तेजस', एकटवि इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड ऐरे रडार (AESAR) 'उत्तम', उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सॉफ्टवेयर 'शक्ति', साइबर सुरक्षा सॉफ्टवेयर, कमांड कंट्रोल सॉफ्टवेयर और सेमी कंडक्टर फैब्रिकेशन सुविधा को प्रदर्शन किया गया।

- **प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार:**
 - **प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार** बहादुरी, कला और संस्कृति, खेल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार व सामाजिक सेवा के क्षेत्र में असाधारण क्षमताओं तथा उत्कृष्ट उपलब्धि वाले बच्चों को प्रदान किया जाता है।
- **वीर गाथा 3.0:**
 - **सशस्त्र बलों के वीरतापूर्ण कार्यों एवं बलिदानों** के बारे में बच्चों को प्रेरित करने तथा जागरूकता फैलाने के लिये गणतंत्र दिवस समारोह 2024 के एक भाग के रूप में प्रोजेक्ट वीर गाथा का तीसरा संस्करण आयोजित किया गया था।
- **अनंत सूत्र:**
 - 75वें गणतंत्र दिवस परेड में देश की बुनाई और कढ़ाई कला के साथ-साथ भारत की महिलाओं के प्रति सम्मान के रूप में **'अनंत सूत्र - द एंडलेस थ्रेड'** नामक एक अनूठी इंस्टालेशन प्रदर्शनी की गई, जिसमें **पूरे भारत से साड़ियों और पर्दों का प्रदर्शन** किया गया।
- **बीटिंग रट्टीट समारोह 2024:**
 - 29 जनवरी, 2024 को दिल्ली के वजिय चौक पर **बीटिंग रट्टीट समारोह** का आयोजन किया गया। यह समारोह एक सैन्य परंपरा है जो गणतंत्र दिवस समारोह के समापन का प्रतीक है।
 - समारोह में **भारतीय सेना, नौसेना, वायु सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF)** के संगीत बैंड ने 31 भारतीय धुनों को बजाते हुए प्रदर्शन किया।

गणतंत्र दिवस का इतिहास क्या है?

- **परिचय:**
 - गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 1950 को भारत के संविधान को अपनाए और देश के गणतंत्र में परिवर्तन की याद दिलाता है जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ।
 - भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को **संविधान सभा** द्वारा अंगीकृत किया गया एवं 26 जनवरी 1950 को क्रियान्वित हुआ। 26 नवंबर को **संविधान दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
 - भारत के संविधान ने 26 जनवरी 1950 को प्रभावी होने पर **भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947** और **भारत सरकार अधिनियम 1935** को नरिस्त कर दिया। भारत ब्रिटिश क्राउन का **प्रभुत्व** समाप्त हो गया और एक संविधान के साथ एक **संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य** बन गया।
- **इतिहास:**
 - **1920 के दशक का संदर्भ में :**
 - फरवरी 1922 में **चौरी-चौरा घटना** के बाद **असहयोग आंदोलन** पूर्ण रूप से समाप्त हो गया।
 - 1920 के दशक में असहयोग आंदोलन और **रौलट-वरीधी सत्याग्रह** के पैमाने पर लामबंदी नहीं देखी गई।
 - हालाँकि, 1920 का दशक **भगत सिंह** और **चंद्रशेखर आजाद** जैसे क्रांतिकारियों के उदय तथा जवाहरलाल नेहरू, **सुभाष चंद्र बोस**, वल्लभभाई पटेल एवं **सी. राजगोपालाचारी** जैसे नए **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)** नेताओं के उदभव के लिये महत्वपूर्ण था।
 - वर्ष 1927 में, अंग्रेजों ने भारत में राजनीतिक सुधारों पर विचार-विमर्श करने के लिये **साइमन कमीशन** नियुक्त किया, जिससे व्यापक आक्रोश फैल गया और **"साइमन गो बैक"** के नारे के साथ विरोध प्रदर्शन हुआ।
 - बदले में, कॉंग्रेस ने मोतीलाल नेहरू के **अधीन अपना स्वयं का आयोग** नियुक्त किया। नेहरू रिपोर्ट में माँग की गई **कि भारत को डोमिनियन स्टेटस** दिया जाए।
 - वर्ष 1926 की **बालफोर घोषणा** में, डोमिनियन को **"ब्रिटिश साम्राज्य के अंतर्गत स्वायत्त समुदायों के रूप में परिभाषित** किया गया था, जो किसी भी तरह से अपने घरेलू क्षेत्र के किसी भी पहलू में एक दूसरे के अधीन नहीं थे या बाहरी मामले, हालाँकि क्राउन के प्रत्येक आम नषिठा से एकजुट हैं और ब्रिटिश **राष्ट्रमंडल राष्ट्रों** के सदस्यों के रूप में स्वतंत्र रूप से जुड़े हुए हैं।"
 - **डोमिनियन या गणतंत्र:**
 - नेहरू रिपोर्ट को कॉंग्रेस के भीतर सार्वभौमिक समर्थन नहीं मिला क्योंकि **बोस और जवाहरलाल नेहरू** जैसे नेताओं ने **डोमिनियन स्टेटस के बजाय ब्रिटिश साम्राज्य से पूर्ण स्वतंत्रता की वकालत** की थी।
 - उन्होंने तर्क दिया कि डोमिनियन स्टेटस स्व-शासन या स्वराज के लक्ष्य के विरुद्ध था।
 - वर्ष 1906 में **कलकत्ता में दादाभाई नौरोजी की अध्यक्षता में कॉंग्रेस (INC) सत्र** में, अपना लक्ष्य **"स्वशासन या स्वराज"** घोषित किया।
 - **वायसराय इरविन की घोषणा:**
 - वर्ष 1929 में, वायसराय इरविन ने घोषणा की कि भविष्य में भारत को "डोमिनियन स्टेटस" का दर्जा दिया जाएगा, जिसे इरविन घोषणा या दीपावली (**Deepawali**) घोषणा के रूप में जाना जाता है।
 - हालाँकि डोमिनियन स्टेटस को लागू करने के लिये कोई समय सीमा नहीं थी।
 - इसके परिणामस्वरूप कॉंग्रेस की ओर से अधिक कट्टरपंथी लक्ष्यों की माँग की गई, जिसमें **पूर्ण स्वतंत्र गणराज्य** की माँग भी शामिल थी।
 - **पूर्ण स्वराज की घोषणा:**
 - दिसंबर 1929 में कॉंग्रेस के लाहौर अधिवेशन में ऐतिहासिक "पूर्ण स्वराज" प्रस्ताव पारित किया, जिसमें पूर्ण स्व-शासन/संप्रभुता और ब्रिटिश शासन से पूर्ण स्वतंत्रता का नारा दिया गया।
 - स्वतंत्रता की घोषणा आधिकारिक तौर पर 26 जनवरी 1930 को घोषित की गई थी और कॉंग्रेस ने भारतीयों से उस

दनि "स्वतंत्रता" का जश्न मनाने का आग्रह किया था ।

◦ स्वतंत्रता के बाद के भारत में गणतंत्र दविस:

- वर्ष 1930 से 1947 तक 26 जनवरी को "स्वतंत्रता दविस" या "पूर्ण स्वराज दविस" के रूप में मनाया जाता था ।
- 15 अगस्त 1947 को भारत को आज़ादी मली, जससे गणतंत्र दविस के महत्त्व का पुनर्मूल्यांकन हुआ ।
- भारत के नए संवधान की घोषणा के लिये 26 जनवरी का चयन इसके मौजूदा राष्ट्रवादी महत्त्व और "पूर्ण स्वराज" घोषणा के अनुरूप था ।

नोट:

- प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दविस पर भारत के राष्ट्रपति, जो राष्ट्र का प्रमुख होता है, द्वारा तरिंगा 'फहराया' जाता है जबकि स्वतंत्रता दविस (15 अगस्त) पर प्रधानमंत्री, जो केंद्र सरकार का प्रमुख होता है, द्वारा 'ध्वजारोहण' किया जाता है ।
 - हालाँकि ये दोनों शब्द अमूमन एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किये जाते हैं कति ये तरिंगे को प्रस्तुत करने की वभिन्न तरीकों को संदर्भित करते हैं ।
 - 26 जनवरी को ध्वज को मोड़कर अथवा घुमाकर एक स्तंभ के शीर्ष पर लगा दिया जाता है । इसके बाद राष्ट्रपति द्वारा इसका अनावरण ('फहराना') किया जाता है जसमें ध्वज को ऊपर की ओर खींचने के आवश्यकता नहीं होती ।
 - ध्वज को 'फहराना' संवधान में निर्धारित सिद्धांतों के प्रतीकत्व को नवीनीकृत करने का एक प्रतीकात्मक संकेत है जो भारत के ब्रिटिश उपनिवेश से एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य बनने की ओर परिवर्तन को उजागर करता है ।
 - जबकि 15 अगस्त पर स्तंभ के नीचे स्थित ध्वज को प्रधानमंत्री द्वारा नीचे से ऊपर की ओर खींचा ('रोहण') जाता है ।
 - ध्वजारोहण एक नए राष्ट्र के उदय, देशभक्ति तथा औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता का प्रतीक है ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. 26 जनवरी, 1950 को भारत की वास्तविक संवधानिक स्थिति क्या थी? (2021)

- लोकतंत्रात्मक गणराज्य
- संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य
- संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न पंथनरिपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य
- संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनरिपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. 'प्रस्तावना' में 'गणतंत्र' शब्द से संबंधित प्रत्येक विशेषण की वविचना कीजिये । क्या वर्तमान परस्थितियों में उनका बचाव संभव है? (2013)